

इवडावैयवै



इवडावैयवै



इतिहवडावैयवै



इवडावैयवै



इतिहवडावैयवै

इतिहवडावैयवै



इतिहवडावैयवै



इतिहवडावैयवै



इतिहवडावैयवै



इतिहवडावैयवै

दुँ सर्वविद्वज् नेव द्यस्य वा नेव द्य ॥ दुँ सर्वविद्वज् ॐ हूँ हूँ लाय सं स्व वा ॥ ३ ॥ दुँ सर्वविद्वज् जावि
 विलह लाय स्व वा ॥ ४ ॥ म ल स ॥ दुँ सर्वविद्वज् वा पि रु ला य स्व वा ॥ वा ॐ ॥ दुँ सर्वविद्वज् य वि स न रु ला
 य स्व वा ॥ न व सि ॥ अदि ये न स मा ॥ ५ ॥ दुँ सर्वविद्वज् क के टि रु ला य स्व वा ॥ ना स ॥ ६ ॥ दुँ सर्वविद्वज् क ल रु
 ली रु ला य स्व वा ॥ म्वा र ॥ ७ ॥ दुँ सर्वविद्वज् वा ला रु ला य स्व वा ॥ वा ल्म ॥ ८ ॥ दुँ सर्वविद्वज् य हूँ का य स्व वा
 स वा ॥ ९ ॥ दुँ सर्वविद्वज् य था दी मा न अ न स क ल्य सि दि न म् ॥ १० ॥ य वि वा ॥ ११ ॥ दुँ सर्वविद्वज् नी व्वा य स्व
 वा ॥ ग्व य ग्म ल ॥ १२ ॥ यं अ य द ल य जा ॥
 १३ ॥ दुँ दान या ल मि त य का ॥ १४ ॥ दुँ शि य वा ॥ १५ ॥ दुँ क्वा मि या न मि त्वा ॥ १६ ॥ दुँ वि क्वा य ल त्वा दि ॥ १७ ॥ दुँ श्वा न या ल त्वा दि

मं च स म द रु ज हा व द्वा ना स द 	व द्वा मा ल गौ 	व द्वा गी त य द्वा 	व द्वा ज नि य 	व द्वा य थ द्वा 
१८ ॥ दुँ हूँ ला य ल व द्वा व द्वा य गौ 	१९ ॥ दुँ हूँ ला य य त्र व द्वा य कि न द्वा 	२० ॥ य नि वि या त्र मी ता व द्वा गं यं अ 	२१ ॥ अ वा द न रु मि त य न ॥ म द्वा य ल क ल न म न क ॥ २२ ॥ दुँ म न र मा द म न सौ स द ॥ २३ ॥ दुँ न म ॥ २४ ॥ दुँ ग मि य नी स व न ना दाय	

मयागमायादेकं सम्यक् वदं द्याय गद्य द्य धा हंसाधनं विष्णुधनं शर्वययात्रिधनं
द्वयविष्णुसुदं यदि च गम अमृकनाम ध्याय सर्वकर्ममात्रजलविष्णुधनं सर्वत्रायथागमथागमा
याया निहीतनूतमायासम्यक् वाक्ष्ये गथादय ग्रीष्ममायामिह्य ॥ ॥ ॥ ताममृकनायालाहय
त्विधेगलनिनदिहयत्वामायसंयननं वदुपलमास्यदं निजयानिर्यं कथानिष्ठयनदमदेवासा
नवडलिहिरुवकाजाजीनं वदुपलमास्यदं ॥ विधयेन सर्वसं कर्षं जावासावदिवदिनीं ह्यकर्मि
दनमस्यामि ह्यदुपकुमिनिमलं स वदुपुलुली कार्कसव ह कयुत्ता न कं समकु रादुहो ह्यकाजी

ह्यकर्मिदनमास्यदं ॥ अन्ननवादेकदोहालेहकर्मिह्य रुवनवद्वनविलाकिनहाद (हायधम
मायकगमादिनायमाययसत्वा वदुदः खयिठिनागानिर्यं नूतमायासम्यक् वाक्ष्ये गथादय
विमिर्यं यत्रिष्णुमयामि ॥ दवयादुमि ह्यमाकल धनधैधनकलीकहादुहो मूलख अद्राग दि
वंगम अमृकनाम ध्याय यावक सर्वसत्वा स गेगदहासंगदीना अलुजावा कजापुजावा ससद
जावा डायादकावा वयिनावा अत्रयिनावा ह्यगिनावा अहं गिनावा नेवहं गिनावा ना
महं गिनावा सशममदामदामनु दयमिथाययितया ॥ यद्व २ मदायद यद्वग र्क र्क र्क र्क र्क
दिवंगम अमृकनाम ध्याय

वद्यौ लोका कदाचुमन् गच्छुस्तथाहं॥ ॥संस्तवा कदाय कीर्तनं कर्त्तुं ह्यहं॥ यादिश्या मुपूजा
उक्तं न विद्यामि लविमद्वनं॥ खादमा मकि दयं मुनिममम वा यात्र वा ह्ययममं॥ धूपन दायकं॥ उं प्रवे वि
न वक्ष्यमि मया मि सवे विम वक्ष्यमि सथाहं॥ मगन दायकं॥ उं प्रत्वं शमन जलं॥ जल किं न॥ जल हीरु व
जल मा ला वि हं॥ जल धनी दिवंगम म क नाम धाय धमा वला क नाय उ वक्ष्यमि यम धां दी॥ यि तु वि
न जन॥ वास्तव सवे यम वन न नै नै दि यस्त्रि म धव धव मजी नाथं यं तु वा य क॥ द वया मस्तान
न न क॥ सग्न नम द क ना यूजा सा तिल हिर क आशि वा द सग्न रि मं जन यि तु क्रिया॥ ॥ धन

लिगन च का वि विषायां वि लिगन काय उं नमः हं म क स म क वक्ष्या नां मद्यथा उं नमः ह्य तु वक्ष्य
दि म लं खन धं मग सगा क म ज द मा न क न न के वा र क दाय॥ क न न के॥ म ग न मा दिन व न व क्ष म
ज क म वे वा च न जल हीरु क ना य धा व वा इ म धा सि दि क को वा वी न क वी न म जी जा क जा कि ही पा
वी अ य वी र म य क म कं कं नै हं वा य व द नि वा ह द वा म ला य म ला य क वा सि न के धा नै मं मीं इ कं कं
न मा इ मु न पी ल व क्ष म या ला ड य पी ल व क्ष म नि लि ४ म मी द्या व द च ध म व म व च ना था न मा इ मु न के ग वा
व क व लि न न मा मु न ॥ १ ॥ व के क रै व न ना य क॥ ध ला म वि य के॥ उं कं प्र श म दा रु क हीं शं स व दा ग म
म म सा य म जा र व न ध ली न म ल कौ क्रा य को ला वृ ल म ल यू का मि न मि न मि न ग र व न वि

नामनि, बलिहारा य. पाफासदात्र, कमनक, अष्टाशग कायक, केक, धर्माभाति, नासि वक, चंचन खनदाय
सालागवाहखबलिहारा य. गीममाल का, ऊऊ माह मलुनधिले ल के, खानवाय, कम न्याहीम न्यादि, दुमि वास
वोसुदियौहयावन रुहं टारवकु, जाऊ रुवकु, क्षमिक, अयकायायी के इःखं विनाइ क प्रवययाह
माजानि के ॥ कृष्णनाका, त्यादि ॥ अन्न अन्नय अन्नय वहाहीमी, मवायिनिडिमि विषयाका समुद्रय
रवमागवाली, नमाइ ॥ इमु नडिन व कनायिक, नमाइ मु न डी व कसम नायिक, नमाइ अकिनी लौ
लामी वजनि के मथागानमा २२ थिलि, खलुनादि के, विर कवीनालि मवीवली गहा ॥ का कानन

श्रीः सदिगकपालि काः श्री अष्टाश्री, विप्रगर्भ नमा मादशा निष्ठा धर्म कृष्णदत्त रवमिदं पी, कणयय
पी ० मय कृष्ण कं, कृष्णाय कृष्ण दनि वासिद वा, म लायक मय वासि नमथा ॥ ॥ ॥ न के वाम थय यमो
॥ ॥ न के, नमामु पी ल व कृष्णालि ना डय पी ल व लाम निरुः शर्म द्या वृद्धि र व मी र व र्धे द्य र ना था
नमाइ मु न मी गहा व क वरुन, नमाइ मु न डी डी व कसम वजनाय का मय र्धम वृद्धि गमी, मनाय थय द, म
॥ ॥ ॥ वने दानादि ना यि हा म व वि क ल्य मा द ग न ली ॥ अकिनी दत्त कादिना, य व क्रीया प्रवर्तन
डिन गु नाः ॥ ॥ ना दय मा कृद, मथाय मा कृ कृया मु न दस्य म हा न निर्यं ॥ ॥ रु मी ॥ ॥ ॥ य म वा म

[illegible]

मुयागंधिवसत्तमाचक नमाइमुसंसाचकत्तमाहकुदका नमाइमुस वीतैसकाचकावम
 क नमाइमुसंनत्तं कय नमागुह मदागाआचमनादिपायकागामनकुचदिकउरःगाडंइरवडाउर
 कडागाडंअकासामुषत्वादि ॥ कुरुयावाहाय मंगवियगाविसडावायायपकावियडयागमव
 पचकरुदं ॥ कनकैकैयै वाडैमगदरसमुवनअसादाविसडैनगा कवकहायगा नुमिपूमीग
 मवीयकाविषिःसमाया ॥ १२ ॥ सन्धनरु ग ८ मिनिच गुजाथ कयंय मिक्कु

मन्त्रिसिंह मन्त्रविहाराष्टी ३ नग्न कैलश धाम शो वाहन नमस्तु
नवजा राक्षस जय धन लिखा विन मिनि छुरु ॥ १२ ॥

धर्मरत्न कृष्णाय सुरत श्री महाबिहार

II-274-2.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical passage, written on aged paper. The text is arranged in four lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect, possibly indicating a specific regional or sectarian context. The characters are dark and somewhat stylized, typical of older handwritten manuscripts.



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry.

Handwritten text in a script, likely Indic, spanning six lines on the top page of the manuscript. The script is dense and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is written in black ink on aged, yellowed paper.

Handwritten text in a script, likely Indic, spanning three lines on the bottom page of the manuscript. The script is dense and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is written in black ink on aged, yellowed paper.



Handwritten text in a cursive script, likely a historical or religious manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical or religious manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and flowing, characteristic of historical cursive.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is written in a cursive style on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some characters appearing to be in a different script or dialect, possibly indicating a specific regional or sectarian tradition. The ink is dark, and the paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the manuscript from the previous page. The text is written in a cursive style on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some characters appearing to be in a different script or dialect, possibly indicating a specific regional or sectarian tradition. The ink is dark, and the paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column on the left page of an open book. The script is dense and appears to be a form of early modern European cursive, possibly from the 16th or 17th century. The ink is dark, and the parchment is aged and yellowed.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column on the right page of an open book. The script is dense and appears to be a form of early modern European cursive, possibly from the 16th or 17th century. The ink is dark, and the parchment is aged and yellowed.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनि उवाच
 कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादं श्रुत्वा
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्चैकीरथः
 सितधनुर्वराः सर्वे सुदर्शन
 भालाः प्रह्वयन्तः पश्यन्ति
 महाबलान्पाण्डुप्रपौत्रमात्मनः
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 पांडवश्चैकीरथः सितधनुर्वराः
 सर्वे सुदर्शनभालाः प्रह्वयन्तः
 पश्यन्ति महाबलान्पाण्डुप्रपौत्रमात्मनः
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥